पार्वती पंचक स्त्रोत

घरधरेन्द्र नन्दिनी शशांक माली संगिनी,
सुरेश शक्ति वृद्धिनी नितान्तकान्त कामिनी।

निशा चरेन्द्र मर्दिनी त्रिशूल शूल धारिणी,
मनोविथा विदारिणी शिव तनोतु पार्वती।

भुजंग तलप शमिनी महोग्राकांत भागिनी,
प्रकाश पुंज दायिनी विचित्र चित्र कारिणी।

प्रचण्ड शत्रु दर्षिणी दया प्रवाह वर्षिणी,
सदा सौभाग्य दायिनी शिव तनोतु पार्वती। ।।

प्रकृष्ट रचना कारिका प्रचंड नृत्य नर्तिका,
पनक पाणिधारिका गिरीश ऋग मशरिका।

समस्त भक्त दीपावली वर्षिका,
कुभाग्य लिंग मर्जिका शिव तनोतु पार्वती।

आचार्य कुमारिका जगत्परा प्रहेलिका,
अखंड तप साधिका सुधा सरित्प्रवाहिका।

प्रयत्न पक्ष पौसिका सदार्धि भाव तोषिका,
शनि ग्रहादि मांगिका शिव तनोतु पार्वती।

शुभंकारी शिवांकरी विभाकरी निशाचरी,
नभश्चरी धराचारी सर्व सृष्टि संचारी।

तमोहरी मनोहरी मृगांक माली सुंदरी,
सदोगताप संचरी, शिवं तनोतु पार्वती।।